खबरों में रहे स्टॉक

पॉलीकैब इंडिया

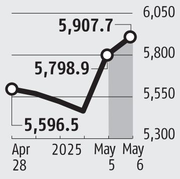

वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 33 प्रतिशत बढ़ा

₹ 5,798.9 पिछला बंद भाव
₹ 5,907.7 आज का बंद भाव
1.88 % ▲

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज

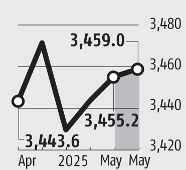

लीगेसी सिस्टम अपग्रेड करने के लिए एआई संचालित समाधान पेश

₹ 3,455.2 पिछला बंद भाव
₹ 3,459.0 आज का बंद भाव
0.1 % ▲

कजारिया सिरैमिक्स

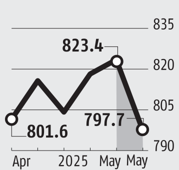

चौथी तिमाही के दौरान शुद्ध लाभ पिछले साल की तुलना में 58 प्रतिशत घटा

₹ 823.4 पिछला बंद भाव
₹ 797.7 आज का बंद भाव
-3.1 % ▼

सुंदरम क्लेटन

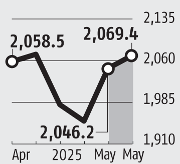

वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 144 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया

₹ 2,046.2 पिछला बंद भाव
₹ 2,069.4 आज का बंद भाव
1.1 % ▲

जीआर इन्फ्राप्रोजेक्ट्स

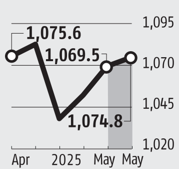

1,257 करोड़ रु की परियोजना के लिए बीएसएनएल से एडब्ल्यूओ मिला

₹ 1,069.5 पिछला बंद भाव
₹ 1,074.8 आज का बंद भाव
0.5 % ▲

संक्षेप में

टीपीजी ने शॉट पूनावाला में लिया 35 फीसदी हिस्सा

ड्रग कंटेनमेंट और डिलिवरी समाधान की वैश्विक कंपनी शॉट फार्मा ने आज ऐलान किया कि वैश्विक निवेश कंपनी टीपीजी ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) से उसके भारतीय संयुक्त उद्यम शॉट पूनावाला में 35 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। कंपनी के मध्य-बाजार और ग्रोथ इक्विटी प्लेटफॉर्म टीपीजी ग्रोथ के जरिये किए गए निवेश में सह-निवेशक के रूप में नोवो होल्डिंग्स शामिल है। इस सौदे के बाद शॉट फार्मा के पास संयुक्त उद्यम में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी बनी रहेगी, जबकि एसआईआई के पास अल्पांश हिस्सेदारी रहेगी। इस पूंजी निवेश और टीपीजी की विशेषज्ञता से उम्मीद है कि कंपनी की वृद्धि के अगले चरण को बढ़ावा मिलेगा और वैश्विक फार्मास्युटिकल आपूर्ति श्रृंखला में उसकी स्थिति और मजबूत होगी। उम्मीद है कि यह सौदा साल 2025 के पूर्वार्ध में पूरा हो जाएगा। *बीएस*

रिन्यू एनर्जी ने जुटाए 10 करोड़ डॉलर

गुड़गांव स्थित रिन्यू एनर्जी ग्लोबल पीएलसी ने घोषणा की है कि उसने ब्रिटेन की डेवलपमेंट फाइनैंस इंस्टीट्यूशन एवं इम्पैक्ट निवेशक 'ब्रिटिश इंटरनैशनल इन्वेस्टमेंट' (बीआईआई) से 10 करोड़ डॉलर (करीब 870 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। कंपनी ने कहा कि इस निवेश का उद्देश्य भारत में सौर विनिर्माण कारोबार का विस्तार करना है। दोनों कंपनियों ने एक संयुक्त बयान में कहा है, 'यह भारत में सौर निर्माण क्षेत्र में बीआईआई का पहला निवेश भी है और दुनिया के तेजी से बढ़ रहे स्वच्छ ऊर्जा बाजारों में से एक में मजबूत, आत्मनिर्भर अक्षय ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।' इस निवेश के जरिये रिन्यू फोटोवोल्टेइक्स प्राइवेट लिमिटेड (रिन्यू की सौर निर्माण सहायक इकाई) में बीआईआई अल्पांश हिस्सेदारी हासिल करेगी। *बीएस*

सुंदरम होम फाइनैंस का शुद्ध लाभ 26 % बढ़ा

सुंदरम होम फाइनैंस का जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 26 प्रतिशत बढ़कर 71.57 करोड़ रुपये रहा। सुंदरम होम फाइनैंस की ओर से मंगलवार को जारी बयान के अनुसार, कंपनी का पिछले वर्ष की इसी तिमाही में शुद्ध लाभ 56.80 करोड़ रुपये रहा था। सुंदरम फाइनेंस लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी का समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में शुद्ध लाभ चार प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 244.66 करोड़ रुपये रहा। *भाषा*

रेडिको खेतान के मुनाफे में 71 प्रतिशत का इजाफा

शराब निर्माता कंपनी रेडिको खेतान का चौथी तिमाही का एकीकृत शुद्ध मुनाफा 70.8 प्रतिशत बढ़कर 92.07 करोड़ रुपये हो गया है। मात्रा में बढ़ोतरी से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। रेडिको खेतान ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। कंपनी ने एक साल पहले जनवरी-मार्च तिमाही में 53.91 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। *भाषा*

ई-बाइक पर एथर एनर्जी की नजर

सुरजीत दास गुप्ता
नई दिल्ली, 6 मई

मंगलवार को सूचीबद्ध हुई एथर एनर्जी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकल सेगमेंट में उतरने की तैयारी कर रही है। इस सेगमेंट में कंपनी का सीधा मुकाबला ओला इलेक्ट्रिक से होगा।

लिस्टिंग के बाद एथर एनर्जी के सह-संस्थापक और मुख्य कार्याधिकारी तरुण मेहता ने कहा, 'हमने काम शुरू कर दिया है, लेकिन मैं आपको घोषणाओं के आसपास ही ज्यादा जानकारी दे सकता हूं। मुझे लगता है कि आने वाले साल में मोटरसाइकलें इलेक्ट्रिक हो जाएंगी। हम 125 सीसी से 300 सीसी आईसीई इक्विलेंट सेगमेंट में वाहन उतारने पर ध्यान दे रहे हैं।'

कंपनी को एलएफपी बैटरियों के उपयोग के लिए एआरएआई की मंजूरी भी मिल गई है। इसका इस्तेमाल उसके दोपहिया वाहनों में किया जाएगा। मेहता का कहना है कि इससे लागत और कम करने में मदद मिलेगी। इस समय इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन लिथियम आयन बैटरी पर चलते हैं।

मेहता ने एक लाख रुपये से कम कीमत वाले सेगमेंट (जिसमें उसके कई प्रतिस्पर्धियों ने बाजार भागीदारी हासिल कर रखी है) में उतरने से इनकार करते हुए कहा, 'दोपहिया अपग्रेडिंग के दौर से गुजर रहा है। 1 लाख रुपये से अधिक कीमत के 125सीसी स्कूटरों की भागीदारी 20 फीसदी से बढ़कर 50 फीसदी पर पहुंच गई है। इसलिए, हमें नहीं लगता कि 70-80 हजार के बाजार में जाना समझदारी होगी, क्योंकि 1 लाख से कम वाले सेगमेंट में मार्जिन बहुत कम है। हमारे उद्योग में 'सस्ते की रणनीति' कारगर नहीं हुई है।' एथर का कहना है कि 1 लाख रुपये से अधिक के बाजार में काफी संभावनाएं हैं। मेहता ने कहा, 'हमने 1.4-1.5 लाख रुपये के स्कूटर से शुरुआत की थी। लेकिन रिज्टा के साथ अब हम 1.1 लाख रुपये के स्कूटर पर हैं। स्कूटर बाजार भी उपयोग के आधार पर विभाजित हो रहा है। हमारे पास पहले फैमिली स्कूटर था, फिर पावर स्कूटर, अब हमारे पास मैक्सी स्कूटर और स्पोर्ट्स स्कूटर हैं।'

उनका मुख्य ध्यान निश्चित रूप से अपने वितरण का विस्तार करने पर है। मेहता कहते हैं कि इस तथ्य के बावजूद कि उनका वितरण प्रतिस्पर्धियों का एक-तिहाई है, वे पिछले महीने लगभग 15 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल करने में सफल रहे हैं। अब उनका लक्ष्य उन 100 शहरों में जाना है जहां उनके प्रतिस्पर्धी हैं।

पहले ही दिन 6.5 % टूटा एथर एनर्जी

एथर एनर्जी का शेयर मंगलवार को सूचीबद्धता पर अपने इश्यू प्राइस 321 रुपये से 6.5 फीसदी नीचे बंद हुआ। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता के 2,981 करोड़ के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को मिली सुस्त प्रतिक्रिया के बाद ऐसा हुआ है। इस आईपीओ को मात्र 1.4 गुना आवेदन मिले थे। नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 300 पर रुकने से पहले शेयर ने 333 के उच्च और 299 के निम्न स्तर को छुआ और महज 480 करोड़ रुपये के शेयरों का कारोबार हुआ। बंद भाव पर कंपनी का मूल्यांकन 11,174 करोड़ रुपये रहा जो इसके आईपीओ मूल्यांकन 12,000 करोड़ रुपये से कम है। आईपीओ को सुस्त प्रतिक्रिया और कमजोर सूचीबद्धता नए शेयरों के लिए चुनौतीपूर्ण बाजार हालात को उजागर करती है।

मुकाबले को तैयार

- ओला इलेक्ट्रिक से मुकाबले के लिए इलेक्ट्रिक मोटरसाइकल सेगमेंट में देगी दस्तक
- कंपनी को एलएफपी बैटरी के इस्तेमाल की एआरएआई की अनुमति मिली
- एथर एनर्जी का मानना है कि 70-80 हजार रुपये के स्कूटर सेगमेंट में जाना समझदारी नहीं

लेकिन उसकी वितरण पैठ नहीं है और वह अपने प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले छोटे से हिस्से में पहुंच पाता है।

हालांकि एथर इस बात से चिंतित नहीं है कि वह इलेक्ट्रिक दोपहिया निर्माताओं के लिए पीएलआई योजना की पात्र नहीं है जबकि ओला, बजाज और टीवीएस जैसी उसकी प्रतिस्पर्धी कंपनियां इस योजना के लिए पात्र हैं। इस वजह से एथर के मार्जिन और मुनाफे पर दबाव आ सकता है। मेहता का कहना है, 'पीएलआई से लंबे समय में बाधा का जोखिम है क्योंकि यह कुछ वर्षों की रणनीति है और एक बार जब वाहन इसके आदी हो जाते हैं तो इसे छोड़ना बहुत मुश्किल होता है। हम पीएलआई की मदद के बगैर 19 फीसदी सकल मार्जिन ले रहे हैं और इससे हमारा बिजनेस मॉडल मजबूत बनता है। जब पीएलआई खत्म हो जाएगी तो एथर की मूल्य निर्धारण रणनीति सबसे अधिक मजबूत होगी क्योंकि हम पर इसका असर नहीं पड़ेगा। लेकिन इससे (पीएलआई संबंधित छूट खत्म होने से) अन्य कंपनियों के मार्जिन में गिरावट आएगी जो व्यवसाय और ग्राहकों के लिए नकारात्मक है।'

आईबीएम के सीईओ ने कहा ...

2028 तक 1 अरब से ज्यादा ऐप बना लेगी जेनएआई

शिवानी शिंदे
मुंबई, 6 मई

आईबीएम के मुख्य कार्य अधिकारी अरविंद कृष्ण ने कहा है कि जेनरेटिव आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (जेनएआई) साल 2028 तक एक अरब से ज्यादा नई ऐप्लिकेशन बना लेगी। यह बात मुख्य कार्य अधिकारियों (सीईओ) को इस तकनीक में अपना निवेश दोगुना करने के लिए प्रेरित कर रही है।

कृष्ण ने कहा, 'जैसे-जैसे जेनएआई इसमें (उद्यमों के तंत्र में) राह बना रही है, आईबीएम के सीईओ अध्ययन से पता चल रहा है कि हमारे ग्राहक एआई और उससे भी आगे निवेश को दोगुना या और भी ज्यादा करने की उम्मीद बांध रहे हैं।' वे अपनी कंपनी के प्रमुख कार्यक्रम आईबीएम थिंक से पहले वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। परिभाषा के अनुसार जेनएआई एक तरह का ऐसा एआई है जो इनपुट या प्रॉम्प्ट के आधार पर टेक्स्ट, इमेज, म्यूजिक जैसी बहुत-सी नई सामग्री बना सकता है।

उद्यम के ग्राहक क्लाउड कंप्यूटिंग और एआई से निवेश पर अपेक्षित प्रतिफल केवल 25 प्रतिशत समय में ही ले ले रहे हैं। उन्होंने कहा, '(यह) उद्यम डेटा तक पहुंच, विभिन्न ऐप्लिकेशनों की साइलोड प्रकृति और बुनियादी ढांचे में हो रहे विभाजन जैसे कई कारकों से प्रेरित है। यही कारण है कि आईबीएम हाइब्रिड क्लाउड और एआई पर ध्यान दे रही है और हमने इन संयुक्त प्रौद्योगिकियों के संबंध में बहुत सारी घोषणाएं और नवाचार किए हैं।'

आईबीएम ने ऐलान किया कि वाटसनएक्स ऑर्केस्ट्रेट नामक उसका टूल उद्यमों को पांच मिनट से भी कम समय में एजेंटिक एजेंट तैनात करने की सुविधा देगा। यह ऐसी एआई प्रणाली है, जिसे स्वायत्त रूप से निर्णय लेने के लिए डिजाइन किया गया है। इन एजेंटों को एडोब, एमेजॉन वेब सर्विसेज और माइक्रोसॉफ्ट जैसे प्रदाताओं के 80 से अधिक उद्यम ऐप्लिकेशन में शामिल किया जा सकता है।

यह पूछे जाने पर कि क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की टैरिफ की धमकी से उपजी अनिश्चितता एआई पर खर्च को रोक रही है, कृष्ण ने कहा कि रुख इसके विपरीत है। उन्होंने कहा 'हम वास्तव में लोगों को अपना एआई निवेश दोगुना करते देख रहे हैं। लोग उत्पादकता, लागत बचत पर विचार कर हैं, लेकिन वे अपनी खुद की कंपनियों का राजस्व भी बढ़ाना चाहते हैं।'

मार्च तिमाही में पेटीएम का घाटा घटा

बीएस संवाददाता और भाषा
नई दिल्ली/मुंबई, 6 मई

पेटीएम ब्रांड की मालिक वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस का घाटा पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की जनवरी-मार्च तिमाही में कम होकर 545 करोड़ रुपये रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में कंपनी को 551 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी परिचालन आय मार्च तिमाही में 15.7 प्रतिशत घटकर 1,911.5 करोड़ रुपये रह गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में 2,267.1 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष उसका घाटा घटकर 645.2 करोड़ रुपये रह गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 1,390.4 करोड़ रुपये थी।

एलेम्बिक फार्मा के शुद्ध लाभ में आई 12 प्रतिशत की गिरावट

वडोदरा की एलेम्बिक फार्मास्युटिकल्स ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के दौरान शुद्ध लाभ में 12 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की और यह घटकर 157 करोड़ रुपये रह गया। उसकी शुद्ध बिक्री 17 प्रतिशत बढ़कर 1,770 करोड़ रुपये हो गई। एबिटा भी 9 प्रतिशत बढ़कर 286 करोड़ रुपये हो गया, जिससे एबिटा मार्जिन 16 प्रतिशत रहा। कर से पहले का लाभ 5 प्रतिशत बढ़कर 192 करोड़ रुपये हो गया। एलेम्बिक के ग्रुप सीएफओ आरके बाहेती ने स्पष्ट किया कि कंपनी ने पिछले वर्षों में अवरुद्ध संपत्तियों को बट्टेखाते डाला था जिससे कराधान में कमी आई।

एलेम्बिक फार्मास्युटिकल्स के प्रबंध निदेशक शौनक अमीन ने कहा कि भारत के ब्रांडेड कारोबार ने विशेष उपचारों के बल पर बेहतर प्रदर्शन किया।

बैंक ऑफ बड़ौदा के मुनाफे में 3 प्रतिशत की मामूली बढ़त

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) का शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 3 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 5,048 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने मंगलवार को जनवरी-मार्च, 2025 तिमाही के वित्तीय नतीजों की सूचना शेयर बाजार को दी। एक साल पहले की समान तिमाही में बैंक ने 4,886 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। बीओबी ने कहा कि आलोच्य तिमाही में उसकी कुल आय एक साल पहले के 33,775 करोड़ रुपये से बढ़कर 35,852 करोड़ रुपये हो गई। इस दौरान बैंक की ब्याज आय बढ़कर 30,642 करोड़ रुपये हो गई जो एक साल पहले की समान अवधि में 29,583 करोड़ रुपये थी। हालांकि, तिमाही में शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) घटकर 11,020 करोड़ रुपये रह गई।

पीई–वीसी क्षेत्र में और ज्यादा फर्मों के आने से बढ़ी प्रतिस्पर्धा

सुरजीत दास गुप्ता
नई दिल्ली, 6 मई

निजी इक्विटी (पीई) और वेंचर कैपिटल (वीसी) फंडों का प्रतिस्पर्धी परिदृश्य और ज्यादा बढ़ता जा रहा है। इसमें हिस्सेदारी के लिए कंपनियों की संख्या बढ़ती जा रही है। बेन ऐंड कंपनी और आईवीसीए ने आज इंडिया प्राइवेट इक्विटी रिपोर्ट 2025 जारी की। इसके अनुसार भारत में सौदों में शामिल पीई की संख्या में साल 2016 से 2024 के बीच 60-65 प्रतिशत से ज्यादा का इजाफा हो चुका है। साल 2016 में 100 से 110 फंड थे जो साल 2024 में 170 से 180 तक हो गए हैं। यह पिछले 8 वर्षों में 6 से 7 प्रतिशत की सीएजीआर (चक्रवृद्धि वार्षिक दर) है।

भारत वैश्विक निवेशकों से लगातार मजबूत निवेश आकर्षित कर रहा है। प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों (एयूएम) के आधार पर शीर्ष 30 वैश्विक फंडों में से 90 प्रतिशत की भारत में सक्रिय मौजूदगी है और उनकी संख्या पहले से ही बढ़ रही है। साल 2024 में फंडों की कुल संख्या में वैश्विक फंडों की हिस्सेदारी 50 से 55 प्रतिशत थी, जो साल 2016 में 40 से 50 प्रतिशत के करीब थी। साथ ही घरेलू फंड भी अपनी ताकत दिखा रहे हैं और अब कुल पीई फंडों में उनकी हिस्सेदारी 40 से 45 प्रतिशत है। बाकी हिस्सेदारी सरकार से जुड़े फंडों के पास है।

इतना ही नहीं रकम जुटाना भी तेजी से प्रतिस्पर्धी होता जा रहा है क्योंकि सीमित साझेदार (एलपी) नए निवेश के प्रमुख चालकों के तहत पिछले फंड प्रदर्शन को प्राथमिकता दे रहे हैं। इस रिपोर्ट के लिए किए गए सर्वेक्षण से पता चलता है कि भारत में 56 प्रतिशत फंडों ने कहा कि सीमित साझेदार अब दमदार ट्रैक रिकॉर्ड की मांग करते हैं, जिससे पिछला प्रदर्शन बाद की वित्तीय सहायता हासिल करने में महत्वपूर्ण कारक बन गया है।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम का लाभ 26 प्रतिशत बढ़ा

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की जनवरी-मार्च की चौथी तिमाही में 26 प्रतिशत बढ़ा है। ऊंचे रिफाइनिंग मार्जिन ने बकाया एलपीजी सब्सिडी को खत्म करने में मदद की, जिससे इस दौरान कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि मार्च तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 3,415.44 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 2,709.31 करोड़ रुपये था।

एनएसई का मुनाफा 2,650 करोड़ रुपये हुआ

वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में एनएसई ने 2,650 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो एक साल पहले की समान तिमाही के 2,488 करोड़ रुपये के मुकाबले 6.5 फीसदी अधिक है। शुद्ध लाभ तिमाही आधार पर 31 फीसदी घट गया। परिचालन से भी एक्सचेंज का राजस्व सालाना आधार पर 18 फीसदी घटकर 3,771 करोड़ रुपये रह गया। ट्रांजेक्शन शुल्कों से राजस्व तिमाही आधार पर 15 फीसदी घट गया। एनएसई के निदेशक मंडल ने 35 रुपये प्रति शेयर के लाभांश की भी सिफारिश की है।

चौथी तिमाही में बीएसई का शुद्ध लाभ 5 गुना बढ़ा

वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में स्टॉक एक्सचेंज बीएसई का समेकित शुद्ध लाभ करीब 5 गुना बढ़कर 494 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एक साल पहले की समान तिमाही के दौरान शुद्ध लाभ 107 करोड़ रुपये था। परिचालन से एक्सचेंज का राजस्व 856.6 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले के मुकाबले 75 फीसदी तक अधिक है। ट्रांजेक्शन शुल्कों में वृद्धि की वजह से एक्सचेंज को राजस्व बढ़ाने में मदद मिली। बीएसई ने 18 रुपये के फाइनल लाभांश और 5 रुपये के विशेष लाभांश की भी घोषणा की है। लाभांश के लिए रिकॉर्ड तारीख 14 मई है।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग उद्योग क्षेत्र की अग्रणी कंपनी सीजी पावर ऐंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड का एकल आधार पर शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की जनवरी-मार्च तिमाही में 275.49 करोड़ रुपये रहा है। *भाषा*

pnb Housing
Finance Limited
Ghar Ki Baat

परिशिष्ट –4–क
अचल सम्पत्ति(यों) की ई–नीलामी बिक्री सूचना
वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8(6) के परंतुक के तहत अचल आस्तियों की बिक्री हेतु ई–नीलामी बिक्री सूचना

पंजीकृत कार्यालयः – 9 वीं मंजिल, अंतरिक्ष भवन, 22, के जी मार्ग, नई दिल्ली –110001 फोनः – 011–23357171, 23357172, 23705414, **वेबसाइटः www.pnbhousing.com**
कानपुर शाखाः पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, तृतीय तल, 16/104 ए, श्री सिद्धिविनायक बिल्डिंग, सिविल लाइंस, कानपुर – 208001 (उ.प्र.)

एतद्द्वारा सर्व साधारण को और विशेष रूप से कालम नंबर –ए में निर्दशित कर्जदार(रों) एवं गारंटर(रों) को सूचना दी जाती है कि प्रत्याभूत लेनदार के पास बंधक/प्रभारित कालम नंबर–डी में वर्णित अचल सम्पत्ति(यां), जिसका प्रलक्षित/भौतिक कब्जा पीएनबी हाउसिंग फाईनैंस लिमिटेड (पीएनबी एचएफएल)/प्रत्याभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्राप्त किया जा चुका है (कालम नंबर–सी में वर्णितानुसार) नीचे दिए विवरण के अनुसार **"जैसी है जहां है", जैसी है जो है"** तथा **"जो भी है वहां है"** आधार पर बेची जाएंगी। एतद्द्वारा कालम नंबर –ए में निर्दशित कर्जदार(रों)/बंधकदाता(ओं)/संबंधित कर्जदार(रों)/बंधकदाता(ओं) (मृत्योपरान्त) के कानूनी वारिसों, कानूनी प्रतिनिधियों, (चाहे ज्ञात अथवा अज्ञात), निष्पादक(कों), प्रशासक(कों), उत्तराधिकारी(यों), समनुदेशिती(यों) को, जैसी भी स्थिति है, प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियमावली, 2002 अद्यतन संशोधित के नियम 8(6) एवं 9 के तहत सूचना दी जाती है।

बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए, कृपया मैसर्स पीएनबी हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड, प्रतिभूत लेनदार की वेबसाइट नामतः **www.pnbhousing.com** में उपलब्ध कराया गया लिंक देखें।

ऋण संख्या, कर्जदार/ सह–कर्जदार का नाम गारंटर(s) (ए)	मांग सूचना मांग की राशि और तारीख (बी)	कब्ज़ा का प्रकार (सी)	बंधक रखी सम्पत्तिओं का विवरण (डी)	आरक्षित मूल्य (आरपी) (ई)	ईएमडी (आरपी का 10%) (एफ)	बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि (जी)	बोली वृद्धि राशि (एच)	निरीक्षण की तिथि एवं समय (आई)	नीलामी की तिथि एवं समय (जे)	ज्ञात ऋणभार/ न्यायालय मामला, यदि कोई, (के)
HOU/KNP/0519/694521, बी.ओ.: कानपुर, उमेश कुमार, श्रीउमेश कुमार और श्रीमती अंजलि देवी	17.08.2022 तक रु. 20,72,069.74	भौतिक कब्जा	वह सभी संपत्ति जिसका अराजी नंबर 1061, चंदन नगर, सनिगवां रोड है, अहिरवां, कानपुर नगर–208001, माप 55.183 वर्ग मीटर, **पूर्व** में : मकान का जूज भाग, **पश्चिम** में : मुन्ना शर्मा का मकान, **उत्तर** में : परशुराम यादव का मकान, **दक्षिण** में : 25 फीट चौड़ी सड़क।	रु. 2055000	रु. 205500	26.05.2025	रु. 10,000	15.05.2025 पूर्वा. 10.00 बजे से अप. 5:30 बजे	27.05.2025 अप. 02.00 बजे से अप. 03:00 बजे	Not Known

*उसके भुगतान तथा/अथवा वसूली की तिथि तक लागू अनुसार 18 प्रतिशत वार्षिक की दर पर भावी ब्याज, उपगत किए गए अनुषंगी खर्चों, लागत, प्रभारों इत्यादि सहित। ''पीएनबी हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के सर्वश्रेष्ठ ज्ञान और जानकारी के अनुसार, उपरिवर्णित अचल/प्रतिभूत आस्तियों के संबंध में कोई अन्य ऋणभार/दावे नहीं हैं, सिवाय उनके जो कालम नंबर–के में वर्णित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त इन ऋणभारों का भुगतान/अदायगी सफल क्रेता/बोलीदाता द्वारा उसकी अपनी व्यवस्था द्वारा की जाएगी। सफल क्रेता(ओं)/बोलीदाताओं से वर्णित ऋणभारों की सत्यता का अभिनिश्चयन स्वतंत्र रूप से करने का अनुरोध किया जाता है। **1.** आज की तिथि तक, पीएनबीएचएफएल/पीएनबीएचएफएल के प्राधिकृत अधिकारी पर उपरोक्त अचल सम्पत्तियों/प्रतिभूत आस्तियों की बिक्री, हस्तांतरण तथा/अथवा निपटान के संबंध में कोई प्रतिबंध आदेश तथा/अथवा न्यायालय निषेधादेश लागू नहीं है। **2.** संभावित क्रेता/बोलीदाता तथा इच्छुक पार्टियां कालम नंबर–के में वर्णित, कार्यवाही/पारित आदेश इत्यादि, यदि कोई, में बहस, जिसमें पीएनबीएचएफएल के पास उपलब्ध उसके स्वामित्व के साथ संबंधित दस्तावेजों का शीर्षक शामिल है परंतु उसी तक सीमित नहीं है, का निरीक्षण स्वतंत्र रूप से कर सकती हैं तथा सभी संदर्भों में अपनी संतुष्टि अपनी निविदा/बोली आवेदन प्रस्तुत करने अथवा ऑफर(स) प्रस्तुत करने से पहले कर सकती हैं। बोलीदाता(ओं) को बोली प्रपत्र के साथ इस नीलामी के नियमों और शर्तों पर हस्ताक्षर करने होंगे। **3.** कृपया ध्यान दें कि प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(3) के अनुसार, बोलीदाता/खरीदार कानूनी रूप से बिक्री मूल्य की राशि का 25% (ब्याना सहित) जमा करने के लिए बाध्य है। पैसा, यदि कोई हो, जमा किया गया) उसी दिन या अगले कार्य दिवस की तुलना में बाद में नहीं। सुरक्षा ब्याज (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(2) के अनुसार सुरक्षित लेनदार द्वारा बिक्री मूल्य का 25% प्राप्त करने के बाद ही (बोली लगाने वाले) के पक्ष में बिक्री की पुष्टि की जा सकती है। शेष 75% बिक्री पुष्टि पत्र की पावती की तारीख से 15 दिनों के भीतर क्रेता द्वारा बिक्री प्रतिफल राशि जमा करनी होगी और इस तरह की जमा राशि के डिफॉल्ट होने पर, संपत्ति / सुरक्षित संपत्ति को फिर से बेचा जाएगा। **4. मैसर्स सी 1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड** ई–नीलामी के माध्यम से बिक्री संचालन में प्राधिकृत अधिकारी कार्पोरेट कार्यालय पता : प्लॉट नंबर 68, तृतीय तल, सेक्टर–44, गुरूग्राम, हरियाणा–122003 वेबसाइट–**www.bankeauctions.com** सहायता करेगी। संपत्ति के निरीक्षण या बोली दस्तावेज प्राप्त करने और किसी अन्य प्रश्न या पंजीकरण से संबंधित किसी भी सहायता के लिए, पीएनबीएचएफएल प्राधिकृत अधिकारी **अनुपम त्रिपाठी, संपर्क नंबर 1800120 8800**, या सी 1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड अथवा **www.pnbhousing.com** पर देखें।

स्थान : कानपुर, दिनांक : 07.05.2025
प्राधिकृत अधिकारी, मैसर्स पीएनबी हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड

ब्रुकफील्ड इंडिया रीट की परिचालन आय 16% बढ़ी

ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध परिचालन आय 16 प्रतिशत बढ़कर 488.5 करोड़ रुपये हो गई है। एक साल पहले इसी अवधि में उसकी शुद्ध परिचालन आय (एनओआई) 422 करोड़ रुपये रही थी। ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट ने यूनिटधारकों को 319 करोड़ रुपये वितरित करने का ऐलान किया है। कंपनी ने जनवरी-मार्च तिमाही के लिए अपने यूनिटधारकों को 319.1 करोड़ रुपये (5.25 रुपये प्रति यूनिट) वितरित करने की घोषणा की, जो वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही की तुलना में 10.5 प्रतिशत अधिक है। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में एनओआई सालाना आधार पर 1,350 करोड़ से बढ़कर 1,854 करोड़ रुपये हो गई।

◆◆◆ दवा निर्यात पर नहीं असर

पृष्ठ 1 का शेष

उदय भास्कर ने कहा, 'मुझे लगता है कि ट्रंप अपनी घरेलू फार्मा कंपनियों को प्रोत्साहित करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि स्थानीय उत्पादन बढ़ाया जा सके। कई अमेरिकी कंपनियों की विनिर्माण इकाइयां आयरलैंड, जर्मनी आदि में हैं। अमेरिका अपनी जरूरत का करीब 80 फीसदी एपीआई आयात करता है और इस मामले में वह आत्मनिर्भर बनना चाहेगा। अमेरिका हर साल 200 अरब डॉलर मूल्य की दवाओं का आयात करता है। अमेरिका को भारत केवल 10 अरब डॉलर मूल्य की दवाएं निर्यात करता है, जिनमें ज्यादातर जेनरिक दवाएं हैं। इसलिए मुझे ज्यादा प्रभाव पड़ने की आशंका नहीं दिखती।'

रॉश, नोवार्तिस, एली लिली और जॉनसन ऐंड जॉनसन सहित कई कंपनियों ने हाल के हफ्तों में अमेरिका में विनिर्माण में भारी निवेश की घोषणा की है। भारतीय कंपनियों के अमेरिका में विनिर्माण स्थानांतरित करने के संबंध में लागत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जायडस लाइफसाइंसेज के प्रबंध निदेशक शर्विल पटेल ने इस महीने की शुरुआत में बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया था कि विनिर्माण का विस्तार होगा मगर इसका एक बड़ा हिस्सा भारत में रहेगा क्योंकि पहला सिद्धांत किफायती दवाएं बनाना है। भारत विनिर्माण लागत के लिहाज से बहुत प्रतिस्पर्धी है। पटेल ने कहा कि भारत विनिर्माण का केंद्र बना रहेगा।

आशिका ग्रुप में फार्मा विश्लेषक, संस्थागत शोध निराली शाह ने कहा कि भारत की बड़ी दवा कंपनियों की पहले से ही वैश्विक उपस्थिति है और 'अमेरिकी कंपनी से खरीदें' जैसे किसी भी नए निर्देश से कंपनियां अमेरिकी रणनीति का नए सिरे से मूल्यांकन कर सकती हैं।

सिस्टमैटिक्स में वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) विशाल मनचंदा का कहना है कि प्रस्तावित नियामक मार्ग को आसान बनाने के अलावा जब तक विनिर्माण को प्रोत्साहित नहीं किया जाता है, तब तक कंपनियां अपना विनिर्माण स्थानांतरित करने के लिए प्रेरित नहीं होंगी। ग्लेनमार्क को उम्मीद है कि उत्तरी कैरोलिना के मोनरो में उसकी इंजेक्टेबल इकाई वित्त वर्ष 2026 में पटरी पर आ जाएगी। कंपनी साइट का और विस्तार करने के लिए तैयार है।

यात्री ई-वाहनों की खुदरा बिक्री 57 प्रतिशत बढ़ी

देश में कुल यात्री इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खुदरा बिक्री इस साल अप्रैल में 56.87 प्रतिशत बढ़कर 12,233 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में 7,798 इकाइयों की बिक्री हुई थी। वाहन डीलरों के निकाय फाडा की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने टाटा मोटर्स 4,436 इकाइयों की बिक्री कर इलेक्ट्रिक यात्री वाहन बाजार में सबसे आगे रही। हालांकि, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया और महिंद्रा ऐंड महिंद्रा (एमऐंडएम) ने भी इस महीने क्रमशः 3,462 और 2,979 ईवी की बिक्री के साथ अपनी स्थिति मजबूत की है। पिछले साल अप्रैल में टाटा मोटर्स ने 5,177 इलेक्ट्रिक यात्री वाहन बेचे थे जबकि जेएसडब्ल्यू एमजी ने 1,268 और एमऐंडएम ने 668 इकाइयों की बिक्री की थी। *भाषा*

लखनऊ संस्करण : बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग ऐंड पैकेजिंग लिमिटेड, बी-5, अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, कानपुर रोड, लखनऊ, उ.प्र. से मुद्रित एवं बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड सी/ओ मेहरा बिज़नेस चैंबर्स, चैंबर नंबर-8,19-सी2एन विधान सभा मार्ग, लखनऊ - 226001 से प्रकाशित
संपादक : कैलाश नौटियाल आरएनआई नं. UPHIN/2008/25502 पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं। टेलीफोन - 033-22101314/1022/1600
सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए संपर्क करें... सुश्री मानसी सिंह हेड, कस्टमर रिलेशन्स बिज़नेस स्टैंडर्ड लिमिटेड, एच/4, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, बिड़ला सेंचुरियन के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई-400013 ईमेल.. subs_bs@bsmail.in या 57575 पर एसएमएस करें REACHBS कोई हवाई अधिभार नहीं